Raga of the Month July 2023 Raga AnandiMalhar
राग आनंदी मल्हार

राग आनंदी मल्हार यह एक नव निर्मित राग है। इस रागकी संकल्पना, रचना एवं सृजन पुणेकी सुप्रसिद्ध संगीतज्ञ विदुषी माधुरी डोंगरेजीने की है। इस रागका संक्षिप्त वर्णन " संगीत कला विहार " के मई २०२२ के अंकमे प्रसिद्ध हुआ है। इस रागमे नन्द (आनंदी) और मियाँ मल्हार इन दो रागोंका मनोहारी मिश्रण किया है। इस रागमे दोनों गंधार, दोनों मध्यम और दोनों निषाद लगते हैं । वादी स्वर पंचम और संवादी षड्ज है। इस रागकी जाती वक्र सम्पूर्ण है। यह राग रात्रिके दूसरे प्रहरमे और वर्षा ऋतुमे किसीभी समय गाया जाता है । इस राग का आरोह अवरोह निम्न प्रकारसे होगा।

आरोह – सा ग म ग प, ग म ध प रे , रे प नि ध नि सां ;
अवरोह - सां ध नि म प, (प) सां रें नि प ध मं प, ग ग म रे सा ।

प्रमुख स्वर वाक्य - सा ग म ग प ; ग म ध प रे सा; रें नि प ध मं प (नन्द),

प ग ग म रे सा; म प नि ध नि सां, सां ध नि म प। (मल्हार)

"आनंदी मल्हार " इसी नामसे मिलताजुलता एक राग " आनंद मल्हार " है; जिसका सृजन विदुषी किशोरी अमोणकरजीने किया है। "आनंद मल्हार" इस रागमे मल्हारके साथ राग यमनका सुचारु मिश्रण किया हुआ है; और उसमे कल्याण अंगके कुछ रागोंकी छटा दिखती है।

आजके ऑडियोमें हम विदुषी माधुरी डोंगरेजी रचित विलम्बित और द्रुत रचना और तरानेका अंश सुनेंगे, जो सुप्रसिद्ध गायिका पंडिता पल्लवी पोटेजीने गायी है। इस रागका पूर्ण सादरीकरण * यू ट्यूबके "नाद माधुरी" चॅनेलपर उपलब्ध है।

* https://www.youtube.com/watch?v=_tnGesNEM2g

संदर्भ : " संगीत कला विहार ".

आभार : विदुषी माधुरी डोंगरे, पंडिता पल्लवी पोटे।

१-७-२०२३

Link to the list of 150+ Raga of the month articles - @ Archive of ROTM Articles

- http://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx